Dr. Sarita Devi
Assistant Professor
Department of Psychology
Maharaja College, Ara

नोआम चॉम्स्की का भाषा विकास सिद्धांत (Noam Chomsky's Theory of Language Development)

परिचय (Introduction):

- नोआम चॉम्स्की एक प्रसिद्ध अमेरिकी भाषाविज्ञानी, संज्ञानात्मक वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक हैं।
- 1950 के दशक में उन्होंने व्यवहारवाद (Behaviourism) के विरुद्ध अपने सिद्धांत प्रस्तुत किए। उस समय बी.एफ. स्किनर (B.F. Skinner) का विचार था कि बच्चे अनुकरण (imitation) और प्रोत्साहन (reinforcement) के माध्यम से भाषा सीखते हैं।
- लेकिन चॉम्स्की ने इस विचार को चुनौती दी। उन्होंने कहा कि भाषा सीखना केवल बाहरी अनुभवों का परिणाम नहीं है, बल्कि यह मस्तिष्क की एक जैविक क्षमता (biological capacity) है — यानी मनुष्य भाषा सीखने के लिए जन्म से ही तैयार होता है।

मुख्य सिद्धांत (Key Components of Chomsky's Theory):

1. Language Acquisition Device (LAD) – भाषा अधिग्रहण यंत्र
    - चॉम्स्की ने बताया कि हर बच्चे के मस्तिष्क में एक विशेष तंत्र होता है जिसे उन्होंने Language Acquisition Device (LAD) कहा।
    - यह LAD भाषा के नियमों (grammar, syntax, structure) को पहचानने और प्रयोग करने में मदद करता है।
    - यह यंत्र बच्चे को सुनने और बोलने के माध्यम से अपने आसपास की भाषा की संरचना समझने में सहायता करता है।
    - उदाहरण:

      जब बच्चा "Mommy is going" सुनता है, तो LAD उसकी मदद करता है यह समझने में कि "is going" एक क्रिया रूप है, जो क्रिया के वर्तमान काल को दर्शाता है।

Edit with WPS Office

2. Universal Grammar (सार्वभौमिक व्याकरण)

   - चॉम्स्की ने कहा कि सभी भाषाओं में कुछ सामान्य व्याकरणिक नियम मौजूद होते हैं।
   - यह Universal Grammar हर मानव मस्तिष्क में पहले से मौजूद होता है।
   - इसलिए, कोई भी बच्चा किसी भी भाषा को सीखने की क्षमता रखता है, बशर्ते उसे उस भाषा का वातावरण मिले।
   - उदाहरण:

     हर भाषा में subject–verb–object जैसी किसी न किसी संरचना का प्रयोग होता है। यह सार्वभौमिक व्याकरण का उदाहरण है।

3. Language Learning is Innate (भाषा सीखना जन्मजात है)

   - चॉम्स्की का मानना था कि भाषा सीखने की प्रवृत्ति मनुष्य की जन्मजात प्रवृत्ति है।
   - बच्चा बोलना नहीं सिखाया जाता, बल्कि वह स्वाभाविक रूप से सीखता है।
   - उदाहरण:

     जैसे-जैसे बच्चा अपने परिवेश में भाषा सुनता है, उसका मस्तिष्क स्वतः नियम बनाता है।

4. Poverty of Stimulus (सूचना की कमी का सिद्धांत)

   - चॉम्स्की ने कहा कि बच्चे को जो भाषा सुनाई देती है, वह अधूरी और त्रुटिपूर्ण होती है।
   - फिर भी बच्चा जटिल भाषा सीख लेता है।
   - इसका मतलब है कि बच्चा केवल सुनने पर निर्भर नहीं करता; उसके मस्तिष्क में पहले से भाषा सीखने की संरचना होती है।
   - उदाहरण:
   - बच्चे को कभी-कभी वाक्य अधूरे या गलत सुनने को मिलते हैं, लेकिन वह उन्हें सही रूप में बोलना सीख जाता है।

5. Creativity in Language (भाषा में सृजनशीलता)

   - बच्चे केवल वही वाक्य नहीं दोहराते जो उन्होंने सुने हैं।
   - वे नए, मौलिक वाक्य बनाते हैं — यह दर्शाता है कि वे भाषा की संरचना समझते हैं।

Edit with WPS Office

- उदाहरण:

  जब बच्चा कहता है, "I goed to school," तो वह "go + ed" का नियम प्रयोग कर रहा है, भले ही गलत हो।

  यह उसकी भाषा के नियमों को समझने और प्रयोग करने की क्षमता को दर्शाता है।

चॉम्स्की के सिद्धांत के अनुसार भाषा सीखने के चरण (Stages of Language Development according to Chomsky):

1. Pre-linguistic Stage (पूर्व-भाषिक अवस्था) – बच्चा ध्वनियों को सुनता और पहचानता है।
2. Babbling Stage (बोलने की कोशिश) – बच्चा ध्वनियों का अभ्यास करता है (जैसे "बा-बा", "मा-मा")।
3. One-word Stage (एक शब्दीय अवस्था) – बच्चा एक शब्द से पूरे अर्थ प्रकट करता है (जैसे "पानी" मतलब "मुझे पानी दो")।
4. Two-word Stage (दो शब्दीय अवस्था) – बच्चा दो शब्द जोड़ता है (जैसे "मम्मी खाना")।
5. Telegraphic Stage (टेलीग्राफिक अवस्था) – बच्चा छोटे वाक्य बनाता है जिनमें मुख्य शब्द होते हैं लेकिन व्याकरणिक शब्द नहीं।

सिद्धांत का महत्व (Importance of Chomsky's Theory):

- इस सिद्धांत ने संज्ञानात्मक मनोविज्ञान (Cognitive Psychology) को मजबूत किया।
- यह दर्शाता है कि भाषा सीखना मानसिक प्रक्रियाओं का परिणाम है, न कि केवल व्यवहार या अनुकरण का।
- शिक्षा के क्षेत्र में इसने बच्चों की भाषाई क्षमताओं को समझने का नया दृष्टिकोण दिया।
- बाल विकास, भाषाविज्ञान, और मनोविज्ञान में इस सिद्धांत ने गहरा प्रभाव डाला।

चॉम्स्की सिद्धांत की आलोचनाएँ (Criticisms of Chomsky's Theory):

1. सामाजिक वातावरण की अनदेखी:

   आलोचकों का कहना है कि चॉम्स्की ने सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभावों को कम महत्व दिया।

   भाषा सीखने में परिवार, समाज, और संवाद की भूमिका भी बहुत महत्वपूर्ण होती है।

Edit with WPS Office

2. LAD का प्रमाण नहीं:

   LAD एक सैद्धांतिक अवधारणा है — इसका मस्तिष्क में कोई भौतिक प्रमाण नहीं मिला।

3. व्यावहारिक अनुप्रयोग सीमित:

   शिक्षा में इस सिद्धांत को सीधे लागू करना कठिन है क्योंकि यह बहुत अधिक सैद्धांतिक (theoretical) है।

निष्कर्ष (Conclusion):

- नोआम चॉम्स्की का सिद्धांत यह सिद्ध करता है कि —
- "भाषा सीखना मनुष्य की एक जन्मजात, जैविक और संज्ञानात्मक क्षमता है।"
- यह सिद्धांत यह बताता है कि मनुष्य के मस्तिष्क में भाषा के प्रति स्वाभाविक झुकाव होता है और वही भाषा विकास की आधारशिला है।

Edit with WPS Office